खंड 1: कहानी 'घर' (प्र. 1 से 3) कुल अंक: 7

प्रश्न 1 (व्याकरण - सर्वनाम रूप) — 1 अंक

सही विकल्प: (घ) मैं + का = मेरा

> **स्पष्टीकरण:** उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम 'मैं' के साथ संबंध कारक परसर्ग 'का/के/की' जुड़ने पर क्रमशः 'मेरा, मेरे, मेरी' रूप बनते हैं। अतः (मैं + का = मेरा) सही है।

प्रश्न 2 (आशय ग्रहण) — 2 अंक

उत्तर:

> फरहाद का स्वभाव अत्यंत शांत, दयालु और सहृदय है। वह घर में रहने वाले किसी भी छोटे-बड़े जीव-जंतु (जैसे छिपकली, ततैया, मकड़ी आदि) को नुकसान नहीं पहुँचाता और न ही उन्हें घर से भगाने की कोशिश करता है। वह उनके साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है, इसलिए छिपकली ऐसा कहती है।

मूल्यांकन संकेत: फरहाद की सहृदयता/जीवों के प्रति दयालु भाव के उल्लेख पर — (2 अंक)

प्रश्न 3 (रचनात्मक लेखन - पोस्टर निर्माण) — 4 अंक

अभिनंदन समारोह !

(अंतर्राष्ट्रीय पक्षी दिवस - 5 जनवरी के पावन अवसर पर)

आदरणीय श्री फरहाद जी का हार्दिक अभिनंदन!
पशु-पक्षियों और मूक जीवों के सच्चे संरक्षक एवं प्रेमी श्री फरहाद को नीम सराय के निवासियों द्वारा सम्मानित किया जा रहा है।

- **दिनांक:** 5 जनवरी | **समय:** सायं 5:00 बजे
- **स्थान:** नीम सराय का बड़ा हॉल / प्रांगण
- **मुख्य कार्यक्रम:** सम्मान समारोह, पक्षी संरक्षण पर परिचर्चा एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति।

"आप सभी सादर आमंत्रित हैं!" — *समस्त निवासी, नीम सराय*

अथवा (OR)

"स्वच्छ पर्यावरण — हमारी ज़िम्मेदारी"

प्रकृति की सुरक्षा, जीवन की रक्षा!
- पर्यावरण को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाएँ।
- पेड़-पौधे लगाएँ, प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें।
- कचरा नियत स्थान (कूड़ेदान) पर ही फेंकें।

— जनहित में जारी / पर्यावरण क्लब

> **मूल्यांकन योजना (Marking Scheme - 4 अंक):**
> - उपयुक्त शीर्षक व विषय-वस्तु: (1 अंक)
> - प्रस्तुति, लेआउट और भाषा-शैली: (2 अंक)
> - आकर्षक नारा/संदेश व आयोजक का उल्लेख: (1 अंक)

खंड 2: कहानी 'झटपट और नटखट' (प्र. 4 से 6) कुल अंक: 7

www.educationobserver.com

प्रश्न 4 (बहुविकल्पीय प्रश्न) — 1 अंक

सही विकल्प: (ग) i और iv सही हैं।

> **पाठ्यपुस्तक संदर्भ:** झटपट और नटखट का स्कूल दूसरे गाँव में था (i सही) और झटपट को तैरना आता था जबकि नटखट को नहीं आता था (iv सही)। वे पैदल स्कूल जाते थे और नटखट धीरे-धीरे चलता था।

प्रश्न 5 (आशय / विचार) — 2 अंक

उत्तर:

> माँ ने झटपट से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि झटपट बड़ा भाई था और नटखट अभी छोटा और नादान था। माँ का यह मानना था कि बड़े होने के नाते यह झटपट का दायित्व और कर्तव्य है कि वह रास्ते में और स्कूल में छोटे भाई की देखभाल करे, उसकी सुरक्षा का ध्यान रखे और उसकी गलतियों को धैर्य से संभाले।

मूल्यांकन संकेत: बड़े भाई की ज़िम्मेदारी और छोटे की सुरक्षा के भाव के स्पष्टीकरण पर — (2 अंक)

प्रश्न 6 (डायरी लेखन / पत्र लेखन) — 4 अंक

विकल्प 1: झटपट की डायरी

14 अगस्त 2026, शुक्रवार | रात 9:00 बजे

आज का दिन मेरे लिए बहुत भारी और निराशाजनक रहा। रोज़ की तरह नटखट रास्ते में अपनी सुस्त चाल से चलता रहा। कभी तितली देखने लगता, तो कभी पेड़ों और फूलों को निहारने लगता। उसकी वजह से आज भी स्कूल पहुँचने में देर हो गई और मुझे मास्साब की डाँट खानी पड़ी।
जब मैंने घर लौटकर माँ से शिकायत की, तो उन्होंने नटखट को डाँटने के बजाय उलटे मुझे ही समझा दिया कि 'बड़े को छोटे का ध्यान रखना पड़ता है।' माँ मेरी परेशानी को क्यों नहीं समझतीं? बड़ा होना क्या कोई गुनाह है? मैं बहुत परेशान और दुखी हूँ।

अथवा (OR)

विकल्प 2: मित्र के नाम पत्र

स्थान: रामपुर
दिनांक: 14-08-2026

प्रिय मित्र रोहन,
सप्रेम नमस्ते।
मैं यहाँ सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी सपरिवार सकुशल होगे। मित्र, मैं तुम्हें अपने मन की एक परेशानी बताना चाहता हूँ। मेरा छोटा भाई नटखट मुझे बहुत तंग करता है। स्कूल जाते समय वह इतना धीरे चलता है कि हमें रोज़ देर हो जाती है और मुझे शिक्षकों से डाँट सुननी पड़ती है। जब मैं माँ से शिकायत करता हूँ, तो माँ भी उसी का पक्ष लेती हैं और कहती हैं कि बड़ों को छोटों का ध्यान रखना चाहिए। मैं क्या करूँ, कुछ समझ नहीं आ रहा। पत्र लिखकर अपनी राय देना।

तुम्हारा मित्र,
झटपट

> **मूल्यांकन योजना (Marking Scheme - 4 अंक):**
> • प्रारूप (प्रारंभ, दिनांक, संबोधन, समापन): (1 अंक)
> • विषय-वस्तु की प्रासंगिकता और भावाभिव्यक्ति: (2 अंक)
> • भाषाई शुद्धता और वर्तनी: (1 अंक)

खंड 3: कविता 'बहुत दिनों के बाद' (प्र. 7 से 9) — कुल अंक: 7

www.educationobserver.com

प्रश्न 7 (शब्दार्थ) — 1 अंक

सही विकल्प: (ख) मीठी आवाज़

> **स्पष्टीकरण:** 'कोकिलकंठी' का अर्थ है कोयल के समान मधुर/मीठे कंठ वाली और 'तान' का अर्थ है सुरीली आवाज़/स्वर।

प्रश्न 8 (समान आशय वाली पंक्तियाँ) — 2 अंक

समान आशय वाली काव्य पंक्तियाँ:

> *"अबकी मैंने जी भर देखी*
> *पकी-सुनहली फसलों की मुसकान"*

मूल्यांकन संकेत: सही पंक्तियों की पहचान और लेखन पर — (2 अंक)

प्रश्न 9 (कवि परिचय व कवितांश का आशय) — 4 अंक

- **कवि और कविता का परिचय:** यह काव्यांश प्रसिद्ध प्रगतिवादी कवि **श्री नागार्जुन (यात्री)** द्वारा रचित लोकप्रिय कविता **'बहुत दिनों के बाद'** से लिया गया है। *(1 अंक)*
- **काव्यांश का विस्तृत आशय:** *(3 अंक)*

> प्रस्तुत पंक्तियों में कवि लंबे समय के बाद अपने गाँव लौटने पर मिलने वाले असीम आनंद और ग्रामीण परिवेश के सौंदर्य का सजीव चित्रण करते हैं।
> • कवि कहते हैं कि बहुत दिनों के बाद उन्हें खेतों में लहलहाती, पकी हुई सुनहरी फसलों के सौंदर्य और उनकी मनमोहक मुस्कान को जी भर देखने का सौभाग्य मिला है।
> • साथ ही, गाँव की किशोरियों द्वारा ढेंकी या ओखली में धान कूटते समय गाए जाने वाले कोयल जैसे मीठे और सुरीले गीतों (कोकिलकंठी तान) को उन्होंने तृप्त होकर सुना है। यह काव्यांश प्रकृति और गंवई संस्कृति के प्रति कवि के अगाध प्रेम को दर्शाता है।

खंड 4: कहानी 'घर' (प्र. 10 और 11) — **कुल अंक: 6**

प्रश्न 10 (व्याकरण एवं संदर्भ बोध) — 2 अंक

- **क) वाक्य से 'विशेषण' शब्द: थोड़ी-सी** *(परिमाणवाचक विशेषण) — (1 अंक)*
- **ख) 'वे' शब्द का संकेत: श्रीमान फरहाद (मकान में रहने वाले इंसान) की ओर** *— (1 अंक)*

प्रश्न 11 (संवाद लेखन / बातचीत) — 4 अंक

मकड़ी : ततैया भाई! ज़रा सुनो, इस नए कमरे में रहने वाला यह इंसान कैसा है?
ततैया : अरे मकड़ी बहन! यह तो बहुत भला आदमी है। इसका नाम फरहाद है।
मकड़ी : पर क्या यह हमें झाड़ू से मारकर भगाएगा तो नहीं? मुझे तो इंसानों से बहुत डर लगता है।
ततैया : बिल्कुल नहीं! सच पूछो तो वह इस पूरे मकान में बहुत थोड़ी-सी जगह लेता है।
मकड़ी : अच्छा! फिर वह दिनभर क्या करता है?
ततैया : वह दिनभर बाहर रहता है। रात को आता है, चुपचाप किताबें पढ़ता है और सो जाता है। हमारी तरह दीवारों, खिड़कियों या छत से उसका कोई लेना-देना नहीं है।
मकड़ी : वाह! तब तो हम दोनों यहाँ बिना किसी डर के मज़े से अपना जाला और घोंसला बना सकते हैं।

> **मूल्यांकन योजना (4 अंक):** विषय के अनुकूल पात्रों के सटीक संवाद (2 अंक), उचित संवाद शैली एवं प्रवाह (1 अंक), भाषा एवं विराम चिह्नों की शुद्धता (1 अंक)।

खंड 5: कहानी 'झटपट और नटखट' (प्र. 12 से 14) — **कुल अंक: 9**

www.educationobserver.com

प्रश्न 12 (कारण स्पष्टीकरण) 2 अंक

उत्तर:

> नटखट नदी में डूबने से तो बच गया था, लेकिन पुल पर पहुँचते ही उसे यह डर सताने लगा कि झटपट घर जाकर माँ से उसकी नादानी और नदी में गिरने की सारी सच्चाई बताकर शिकायत कर देगा। माँ की डाँट और सज़ा के इसी भय के कारण वह गला फाड़कर रोने लगा।

प्रश्न 13 (वाक्य विस्तार) 3 अंक

> *दिए गए शब्द: (भाई को, डूबने से, नदी में) | मूल वाक्य: "झटपट ने बचाया।"*

- **चरण 1:** झटपट ने **भाई को** बचाया। 1 अंक
- **चरण 2:** झटपट ने भाई को **डूबने से** बचाया। 1 अंक
- **चरण 3 (पूर्ण वाक्य): झटपट ने भाई को नदी में डूबने से बचाया।** 1 अंक

प्रश्न 14 (चरित्र-चित्रण / टिप्पणी) 4 अंक

विकल्प 1: नटखट का चरित्र-चित्रण

> नटखट कहानी का अत्यंत चंचल और मासूम बाल पात्र है। उसके चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
> - **प्रकृति प्रेमी:** वह स्कूल जाते समय तितलियों, फूलों और प्राकृतिक दृश्यों का आस्वादन करने में खो जाता है।
> - **खेल-प्रिय बालक:** उसे नए-नए खेलों में मज़ा आता है और वह अपनी ही धुन में मस्त रहने वाला बच्चा है।
> - **भाई से प्रेम:** वह अपने बड़े भाई झटपट से गहरा स्नेह रखता है और संकट में उसी पर भरोसा करता है।
> - **माँ की डाँट से डरने वाला:** वह स्वभाव से अबोध है और माँ की डाँट व शिकायत के नाम से तुरंत सहम जाता है।

अथवा (OR)

विकल्प 2: झटपट का चरित्र-चित्रण

> झटपट कहानी का मुख्य पात्र और एक ज़िम्मेदार बालक है। उसके चरित्र की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
> - **कर्तव्यनिष्ठ एवं स्नेही भाई:** वह अपने छोटे भाई नटखट की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखता है।
> - **साहसी और तत्पर:** जब नटखट नदी में गिर जाता है, तो वह बिना डरे नदी में कूदकर अद्भुत साहस से उसकी जान बचाता है।
> - **आज्ञाकारी पुत्र:** वह अपनी माँ के निर्देशों और सीख का निष्ठापूर्वक पालन करता है।
> - **जिज्ञासु प्रवृत्ति:** वह सदैव नई बातें सीखने और अपनी कमियों को सुधारने के लिए तत्पर रहता है।

खंड 6: अनुच्छेद आधारित प्रश्न (प्र. 15 से 17) — कुल अंक: 4

प्रश्न 15 (गद्यांश बोध) 1 अंक

सही विकल्प: (घ) बगीचा

प्रश्न 16 (व्याकरण - काल/क्रिया रूपांतरण) 1 अंक

नमूना: आरव तितली को देखता है → आरव तितली को देख रहा है।
उत्तर: तितली उड़ती है → तितली उड़ रही है।

> **स्पष्टीकरण:** सामान्य वर्तमान काल (उड़ती है) को तात्कालिक/अपूर्ण वर्तमान काल (उड़ रही है) में परिवर्तित किया गया है।

www.educationobserver.com

प्रश्न 17 (लघु उत्तरीय प्रश्न) 2 अंक

आरव की विशेषताएँ (कोई दो):

- वह अन्य बच्चों की तरह मोबाइल का दीवाना नहीं है, बल्कि प्रकृति से सच्चा प्रेम करता है।
- उसे प्रकृति की छोटी-बड़ी चीज़ों और तितलियों को घंटों निहारना पसंद है।
- उसमें अद्‌भुत चित्रकला की प्रतिभा है; वह जिस भी वस्तु को देखता है, उसका सुंदर चित्र बना लेता है।

मूल्यांकन संकेत: किन्हीं दो सही विशेषताओं के उल्लेख पर — (1 + 1 = 2 अंक)

www.educationobserver.com